दिनांक 9/4/2023 को आयोजित "तृतीय अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैम्पियनशिप" के समापन समारोह पर माननीय राज्यपाल का अभिभाषण

असम की प्रथम महिला श्रीमती अनिता कटारिया जी,
माननीय केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री रामेश्वर तेली जी,
माननीय सांसद एवं प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा, राजस्थान, श्री चन्द्र प्रकाश जोशी जी,
राज्य के जल संसाधन, सूचना और जनसंपर्क मंत्री श्री पीयूष हाजारिका जी,
राज्य स्तरीय सलाहकार समिति (SLAC) के सदस्य सचिव श्री गीतार्थ गोस्वामी जी,
खेल निदेशक श्री निबेदन दास पाटोवारी जी,
असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री शिलादित्य देब जी,
सलाहकार श्री संजीव नारायण जी,
महासचिव श्री राकेश तिवारी जी,

सबसे पहले मैं असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस "अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैम्पियनशिप" के सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों और यहाँ उपस्थित सभी महानुभावों का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ।

मैं असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन का आभारी हूँ, जिसने पूर्वोत्तर भारत के इस सुन्दर प्रदेश में देश के सभी कोनों से आए स्क्वैश खिलाड़ियों से मिलने का अवसर दिया। आज आपके बीच आकर अत्यंत आनंदित महसूस कर रहा हूँ।

देश के लिए असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन बधाई का पात्र है, जिसने असम में स्क्वैश जैसे अंतर्राष्ट्रीय खेल को लोकप्रिय बनाने के लिए इस विशाल आयोजन का बीड़ा उठाया है।

मुझे यह बताया गया है कि असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन का गठन वर्ष 2010 में किया गया था और तभी से यह असम में स्क्वैश को बढ़ावा देने का निरंतर प्रयास कर रहा है और इसके लिए यह जूनियर, सीनियर, महिला, पुरुष सभी स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित करता आ रहा है।

वर्ष 2016 में 12वें एशियाई खेलों का आयोजन भी गुवाहाटी में किया गया था, जिसके कारण स्क्वैश को असम में काफी लोकप्रियता मिली थी। उसी दौरान असम सरकार द्वारा चार अत्याधुनिक विश्व स्तरीय स्क्वैश कोर्ट भी बनवाए गए थे। तब से यह एसोसिएशन कोच और खिलाड़ियों के लिए नियमित प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।

असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की इसी सक्रियता के कारण "स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया" ने सभी वर्गों के राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता, जैसे - UNDER-11, UNDER-13, UNDER-15, UNDER-17, UNDER-19 एवं पुरुष और महिला सभी वर्गों की प्रतियोगिताएं आयोजित करने की जिम्मेदारी असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन को दी है।

मुझे कहते हुए गर्व होता है कि
स्क्वैश में हमारे देश के युवक-युवतियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। दीपिका पल्लीकल कार्तिक, जोशना चिनप्पा, सौरब घोसाल जैसे खिलाड़ियों ने स्क्वैश में देश का नाम रोशन किया है। दीपिका पल्लीकल ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर बेहतर प्रदर्शन किया है। वह वर्ष 2012 में विश्व के प्रथम 10 स्थान पर पहुंच गई थी। जोशना चिन्नप्पा ने 18 बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप जीती हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को स्क्वैश में पहला गोल्ड मेडल दिलाने का श्रेय जोशना चिनप्पा को जाता है। सौरब घोषाल, स्क्वैश के शीर्ष खिलाड़ियों में एक हैं, जिन्होंने कॉमनवेल्थ खेलों में पहली बार स्क्वैश सिंगल इवेंट में ब्रान्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा है।

मुझे यह जानकर बड़ी खुशी है कि इस तृतीय अखिल भारतीय ब्रह्मपुत्र स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत के 24 राज्यों के 272 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। यह असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। इस तरह की चैंपियनशिप पूर्वोत्तर और विशेष रूप से असम में, स्क्वैश के विकास के लिए एक जबरदस्त बूस्टर होगी।

पिछले वर्ष गांधीनगर, गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेल में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में असम के स्क्वैश खिलाड़ियों का चयन किया गया था, जिन्होंने असम को गौरवान्वित किया है।

मैं हृदय तल से असम स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं, जो भावी पीढ़ी को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ उनके शारीरिक और मानसिक विकास के साथ-साथ भविष्य निर्माण के अवसर देने का संकल्प लिया है।
धन्यवाद। जय हिंद !